भारत सरकार
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. **722** जिसका उत्तर
शुक्रवार, 29 नवंबर, 2024/8 अग्रहायण, 1946 (शक) को दिया जाना है

ब्रह्मपुत्र नदी पर जलमार्ग परियोजनाएं

+722. श्री गौरव गोगोई :

क्या **पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) मार्च 2024 में ब्रह्मपुत्र नदी हेतु घोषित 10 जलमार्ग परियोजनाओं की परियोजना-वार वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) ब्रह्मपुत्र के किनारे नदी पर्यटन और जल क्रीड़ा विकसित करने की सरकार की योजनाओं की परियोजना-वार वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों पर पूर्वी ग्रिड के विकास के लिए की गई प्रगति का ब्यौरा क्या है;

(घ) माजुली में स्लिपवे के विकास और छह पर्यटक घाटों, जिसमें नेमाती में प्रस्तावित एक घाट भी शामिल है, के निर्माण की प्रगति का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार वर्तमान भू-राजनीतिक परिदृश्य के मद्देनजर भारत बांग्लादेश प्रोटोकॉल (आईबीपी) पर पुनः विचार करना चाहती है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री
(श्री सर्बानंद सोणोवाल)

(क): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने सागरमाला योजना के अंतर्गत सहायता के लिए 645.56 करोड़ रु. के कुल परिव्यय के साथ ब्रह्मपुत्र नदी पर रा.ज.-2 के किनारे विभिन्न स्थानों पर नदी की अवसंरचना के साथ 10 जलमार्ग परियोजनाओं के विकास के लिए असम सरकार के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय ने असम सरकार की 10 परियोजनाओं के लिए सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान कर दी है। परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में है।

(ख): कार्गो/यात्री आवागमन और नदी पर्यटन के लिए ब्रह्मपुत्र नदी (रा.ज.-2) पर निम्नलिखित अंतर्देशीय जलमार्ग अवसंरचना विकसित की गई है।

• पांडु और जोगीघोपा में 12 फ्लोटिंग टर्मिनल, 2 मल्टीमोडल टर्मिनल और बोगीबील तथा डुबरी में 2 स्थायी टर्मिनल, जिनका उपयोग नदी क्रूज जलयानों की बर्थिंग के लिए भी किया जाता है।

• क्रूज जलयानों के सुचारू आवागमन के लिए आवश्यक गहराई और चौड़ाई वाला फेयरवे भी बनाए रखा जाता है।

• **"एसपीवी कार्यसंरचना में नदी आधारित धार्मिक पर्यटन सर्किट"** परियोजना को शुरू करने के लिए सागरमाला विकास कंपनी लिमिटेड (एसडीसीएल), असम पर्यटन विकास निगम लिमिटेड (एटीडीसी), आईडब्ल्यूटी असम निदेशालय (डीआईडब्ल्यूटी) और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) के बीच दिनांक 19.05.2024 को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

• इस परियोजना का लक्ष्य हॉप ऑन और हॉप ऑफ आधार पर जलयानों की समुचित क्षमता परिनियोजित करके नीचे दिए गए अनुसार सात मंदिरों को जलमार्ग से जोड़ना है:-

(i) कामाख्या मंदिर, (ii) पांडुनाथ मंदिर, (iii) अश्वक्लांत मंदिर, (iv) डोलगोविंदा मंदिर, (v) उमानदा मंदिर, (vi) चक्रेश्वर मंदिर और (vii) औनियाती सत्र।

• आईडब्ल्यूएआई का अधिदेश पोत परिवहन और नौचालन के उद्देश्य से राष्ट्रीय जलमार्गों का विकास करना है। इसलिए, ब्रह्मपुत्र नदी पर या उसके किनारे जल क्रीड़ा विकसित करने की कोई योजना नहीं है। तथापि, यदि जल क्रीड़ा से संबंधित फेयरवे के विकास के लिए राज्य सरकार से कोई अनुरोध प्राप्त होता है, तो पूर्वोत्तर (एनईआर) राज्य में आईडब्ल्यूटी अवसंरचना के विकास के लिए केंद्रीय क्षेत्र की योजना के अंतर्गत इस पर विचार किया जा सकता है।

(ग): ब्रह्मपुत्र और बराक नदियों के व्यापक विकास के लिए सरकार ने 1010 करोड़ रु. के अनुमानित निवेश वाली तीन परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है। तीनों परियोजनाओं का विवरण नीचे दिया गया है:-

I. रा.ज.-2 का व्यापक विकास

• स्वीकृत लागत – **474.00 करोड़ रु.**
• कुल व्यय - **378.60 करोड़ रु.**
• अक्तूबर 2024 तक समग्र वास्तविक प्रगति -**79.87%**

II. पांडु पत्तन टर्मिनल से एनएच-27 तक पहुंच मार्ग का विकास और पांडु, गुवाहाटी (असम) में पोत मरम्मत सुविधा का विकास

• स्वीकृत लागत – **388.00 करोड़ रु.**
• कुल व्यय – **235.44 करोड़ रु.**
• अक्तूबर 2024 तक समग्र वास्तविक प्रगति -**60.68%**

III. रा.ज.-16 और भारत बांग्लादेश प्रोटोकॉल मार्ग (आईबीपी) का व्यापक विकास

• स्वीकृत लागत – **148.00 करोड़ रु.**
• कुल व्यय - **24.26 करोड़ रु.**
• अक्टूबर 2024 तक समग्र वास्तविक प्रगति -**16.39%**

(घ): पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय ने सागरमाला योजना के अंतर्गत सहायता के लिए 96.60 करोड़ रु. के परिव्यय के साथ असम के माजुली जिले में ब्रह्मपुत्र नदी पर स्लिपवे के निर्माण के लिए असम सरकार के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान कर दी है। व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय ने उक्त परियोजना के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।

छह पर्यटक जेट्टियों के निर्माण की प्रगति इस प्रकार है-

- बोगीबील और पांडु में फ्लोटिंग आरसीसी पर्यटक जेट्टियों के विकास की समग्र प्रगति 85% है।
- 4 स्थानों अर्थात्: सीलघाट, बिश्वनाथ घाट, नेमाती और गुइजान में पर्यटक स्टील जेट्टियों के विकास के लिए परियोजना को इंडियन पोर्ट रेल एंड रोपवे कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईपीआरसीएल) को सौंपा गया है।

(ङ): जी, नहीं।

अनुबंध

क्र. सं.	प्रस्ताव का नाम	ज़िला	लागत (करोड़ में)
1.	असम के धुबरी जिले के माया घाट, धुबरी में स्लिपवे के निर्माण का प्रस्ताव	धुबरी जिला	96.60 करोड़ रु.
2	असम के उत्तर लखीमपुर जिले के घागोर में यात्री टर्मिनल के निर्माण का प्रस्ताव	उत्तर लखीमपुर जिला	26 करोड़ रुपये
3	माजुली जिले में स्लिपवे के निर्माण का प्रस्ताव	माजुली जिला	96.60 करोड़ रु.
4	असम के बारपेटा जिले के बहारी में यात्री टर्मिनल के निर्माण का प्रस्ताव	बारपेटा जिला	91.20 करोड़ रु.
5	असम के ग्वालपाड़ा जिले के ग्वालपाड़ा में यात्री टर्मिनल के निर्माण का प्रस्ताव	ग्वालपाड़ा जिला	92.06 करोड़ रु.
6	असम के तिनसुकिया जिले के गुइजान में यात्री टर्मिनल के निर्माण का प्रस्ताव	तिनसुकिया जिला	36.00 करोड़ रु.
7	असम के दर्रांग जिले के कुरुआ में यात्री टर्मिनल के निर्माण का प्रस्ताव	दर्रांग जिला	49.00 करोड़ रु.
8	असम के धुबरी जिले के धुबरी में यात्री टर्मिनल के निर्माण का प्रस्ताव	धुबरी जिला	72.10 करोड़ रु.
9	असम के सिबसागर जिले के दिसांगमुख में यात्री टर्मिनल के निर्माण का प्रस्ताव	दिसांगमुख, सिबसागर जिला	40.00 करोड़ रु.
10	असम के उत्तरी लखीमपुर जिले के मतमोरा में यात्री टर्मिनल के निर्माण का प्रस्ताव	उत्तर लखीमपुर जिला	46.00 करोड़ रु.

*****